Class - 4

1 भाषा और व्याकरण
(Language and Grammar)

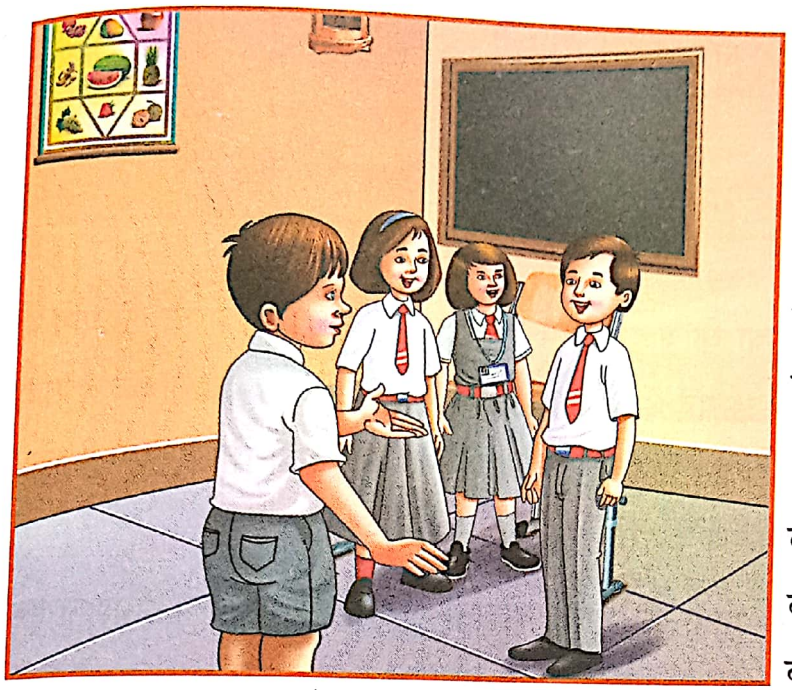

भाषा की उत्पत्ति संस्कृत की 'भाष्' धातु से मानी जाती है, जिसका अर्थ है– 'बोलना'। भाषा द्वारा मनुष्य अपने विचारों तथा भावों को लिखकर या बोलकर प्रकट करता है तथा दूसरों के विचारों को पढ़कर या सुनकर समझता है; जैसे–

साहिल कल अपने मम्मी-पापा के साथ लालकिला देखने गया था। लालकिले में उसने क्या-क्या देखा तथा उसे कितना आनंद आया। वह अपने मित्रों से **बोलकर** अपने भाव प्रकट कर रहा है तथा उसके मित्र **सुनकर** उसकी बात का आनंद ले रहे हैं।

इस प्रकार, भाषा के द्वारा हम अपने भावों तथा विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

भाषा के तीन भेद होते हैं–

- **मौखिक भाषा**–जब हम मन के भावों या विचारों को बोलकर प्रकट करते हैं तथा दूसरों के विचारों को बोलकर या सुनकर समझते हैं, तो वह भाषा का **मौखिक रूप** होता है; जैसे– स्वाति और राखी अपनी दादी से बातें कर रहे हैं।
- **लिखित भाषा**–जब हम अपने मन के भावों या विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं तथा पढ़कर समझते हैं, तो उसे भाषा का **लिखित रूप** कहते हैं; जैसे– नेहा अपनी सहेली को ई-मेल कर रही है।
- **सांकेतिक भाषा**–जब हम अपने मन के भावों या विचारों को इशारों तथा संकेतों के द्वारा प्रकट करते हैं, तो उसे भाषा का **सांकेतिक रूप** कहते हैं; जैसे – गार्ड हरी झंडी दिखा रहा है।

Scanned with CamScanner

लिपि

Class - 4

मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए रेखा चिह्नों को **लिपि** कहते हैं। प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है; जैसे–

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत	देवनागरी	अंग्रेज़ी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी	उर्दू	फ़ारसी
बांग्ला	बंगाली		

व्याकरण

व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है। भाषा के उपयोग में कोई अशुद्धि न हो, इसलिए व्याकरण का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। किसी भी भाषा को शुद्ध व सही रूप में लिखने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। इन नियमों के आधार पर ही भाषा के शुद्ध-अशुद्ध होने का पता चलता है। इन नियमों का बोध व्याकरण द्वारा होता है।

दूसरे शब्दों में, हम कह सकते हैं कि किसी भाषा को शुद्ध बोलना, पढ़ना, लिखना या समझना हम व्याकरण के माध्यम से ही सीख सकते हैं।

आइए दोहराएँ (Let's Recall)

- भावों या विचारों के आदान-प्रदान को भाषा कहा जाता है।
- व्याकरण द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।
- भाषा के तीन भेद होते हैं– मौखिक, लिखित और सांकेतिक।

रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)

सोचो और बताओ–

(क) सब्ज़ीवाले को आवाज़ लगाना भाषा का कौन-सा रूप है?
(ख) आप अपने विद्यालय में किस भाषा का प्रयोग करते हैं? बताओ।
(ग) हिंदी, संस्कृत भाषा की लिपि कौन-सी है?
(घ) आप कौन-सी भाषा बोलते हैं? उस भाषा के बारे में बताओ।
(ङ) व्याकरण किसे कहते हैं?
(च) भाषा के कितने भेद हैं? बताओ।

Scanned with CamScanner

संकलित मूल्यांकन (Summative Evaluation)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

(क) भाषा किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं? लिखो।

.....

(ख) लिपि किसे कहते हैं?

.....

(ग) व्याकरण हमें क्या जानकारी देता है?

.....

(घ) अंग्रेज़ी, उर्दू, बांग्ला भाषा की लिपि लिखो।

.....

2. सही शब्द से रिक्त स्थान भरो–

व्याकरण मौखिक सांकेतिक भाषाएँ लिपि देवनागरी

(क) भाषा के तीन रूप हैं– ..... , लिखित एवं ..... ।

(ख) ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित किए गए रेखा चिह्नों को ..... कहते हैं।

(ग) ..... हमें भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी देता है।

(घ) भारत में विभिन्न प्रकार की ..... बोली जाती हैं।

(ङ) हिंदी भाषा की लिपि ..... है।

3. सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाओ–

(क) भाषा से भावों की पहचान होती है। ☐

(ख) भाषा द्वारा हम अपने भावों तथा विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। ☐

(ग) हृदय के भावों को लिखकर प्रकट करना ही भाषा का मौखिक रूप कहलाता है। ☐

(घ) रोमन लिपि ही हिंदी भाषा की लिपि है। ☐

(ङ) पत्र लिखना भाषा का लिखित रूप है। ☐

(च) व्याकरण द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है। ☐

4. सही मिलान करो–

फ्रांस	मलयालम
उड़ीसा	उड़िया
केरल	मराठी
जापान	फ्रांसीसी
महाराष्ट्र	जापानी

Scanned with CamScanner

M.K.D. PUBLIC SCHOOL

Sarai Rai Chanda, Mungra Badshahpur, Jaunpur,

Session – 2020-21

Class-4th

विषय – हिन्दी व्याकरण

पाठ – 1 'भाषा'

1. भाषा की उत्पत्ति संस्कृत की 'भाष्' धातु से मानी जाती है, जिसका अर्थ है 'बोलना'।
2. भावों या विचारों के आदान-प्रदान को भाषा कहा जाता है।
3. भाषा के तीन भेद होते हैं।

   1 मौखिक भाषा। 2 लिखित भाषा। 3. सांकेतिक भाषा

4. लिपिः- मौखिक ध्वनियों को लिखित रुप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए रेखा चिन्हों को <u>लिपि</u> कहते हैं

   उपरोक्त बिन्दुओं को ध्यानपूर्वक पढो और नीचे दिए गये प्रशनों के उत्तर दो-

5. व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा भाषा के शुद्ध रुप का ज्ञान होता है।-
6. किसी भाषा को शुद्ध बोलना, पढना, लिखना या समझना हम व्याकरण के माध्यम से ही सीख सकते हैं।

   उपरोक्त सभी बिन्दुओं को ध्यानपूर्वक पढिए और नीचे दिए गए अभ्यास कार्य को करिए-

प्रश्न-1 भाषा किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं लिखो।

प्रश्न-2 लिपि किसे कहते हैं?

प्रश्न-3 व्याकरण किसे कहते हैं?

प्रश्न-4 अंग्रेजी उर्दू बंग्ला व हिन्दी भाषा की लिपि लिखो।

M.K.D PUBLIC SCHOOL

7. सही शब्द से रिक्त स्थान भरो-

व्याकरण, मौखिक, सांकेतिक भाषाएँ, लिपि, देवनागरी

(क) भाषा के तीन रुप है- ..... लिखित एवं.....।

(ख) ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित किए गए रेखा चिन्हों को ..... कहते है।

(ग) ..... हमें भाषा के शुद्ध रुप की जानकारी देता है।

(घ) भारत में विभिन्न प्रकार की ..... बोली जाती है।

(ङ) हिन्दी भाषा की लिपि..... है।

M.K.D.PUBLIC SCHOOL